(b) 1530 in 1959-60.

867 in 1960-61.

Figures for 1959-60 include quarters completed towards the end of 1958-59.

(c) 39,784.

घी के मूल्य

२२३१. **श्री क० भें० मालवीय** : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार के ध्यान में यह बात आई है कि आजकल घी के बहुत दाम बढ़ गये हैं, और

(ख) यदि हां, तो इसकी रोक-थाम के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ?

कृषि उपमंत्री (श्री मों० वें० कृष्णप्पा) : (क) जी हां ।

(ख) घी कोई नियन्त्रित पदार्थ नहीं है । उसके दामों में गिरावट लाने के लिए फिर भी पशु पालन और डेरी विकास कार्यक्रमों के अन्तर्गत यह प्रयत्न किये जा रहे है कि दूध का उत्पादन बढ़े, घी की मात्रा बढ़े और उसके निर्माण कार्य का विकास हो और उसका पणन हो ।

दिल्ली दुग्ध वितरण योजना

२२३२. **श्री क० भें० मालवीय** : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार के सामने ऐसी कोई योजना विचाराधीन है कि दिल्ली दुग्ध वितरण योजना का पीने योग्य ठंडा या गर्म दूध जनता को भी मिल सके जिस के लिए और डिपो खोले जायेंगे; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

कृषि उपमंत्री (श्री मों० वें० कृष्णप्पा) : (क) और (ख). दिल्ली दुग्ध योजना पहले से ही गर्म और ठंडा दोनों प्रकार का दूध पार्लियामेंट हाउस, नई दिल्ली में सारा दिन दुकान पर दे रही है । निम्न लिखित स्थानों की दुकानों पर केवल ठंडा दूध बेचा जा रहा है :

(१) सेन्ट्रल डेरी, दिल्ली दुग्ध योजना, पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(२) कृषि भवन, डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड, नई दिल्ली ।

(३) योजना भवन, पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली ।

दिल्ली दुग्ध योजना यथा समय ५० ऐसी दुकानों के खोलने के लिए विचार कर रही है ।

कृषि योजनायें

२२३३. **श्री क० भें० मालवीय** : क्या खाद्य तथा कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् ने कई कृषि योजनायें स्वीकार की हैं; और

(ख) यदि हां, तो उक्त योजनाओं का राज्यानुसार ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्री (डा० पं० शा० देशमुख): (क) और (ख). कृषि, पशुपालन और सम्बन्धित विषयों पर वर्तमान में पहले से ही चल रही कुछ योजनाओं के विस्तार की सिफारिश के अतिरिक्त, भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के सलाहकार बोर्ड ने अपनी जुलाई १९६१ की बैठक में कुछ नयी अनुसन्धान योजनाओं को स्वीकार किया । ये अब स्थायी वित्त समिति को और परिषद की कार्यकारिणी समिति को, जो कि अगस्त, १९६१ के अन्तिम सप्ताह में होगी, मंजूरी के लिये भेजी जायेंगी ।